• bordernewsmirror@gmail.com
• पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
• द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 नवादा के डीएम -एसपी हटाए जाने से चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों में भूचाल

03 निवर्तमान सांसद डां संजय का रामगढ़वा में अजय झा के नेतृत्व में होगा स्वागत

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

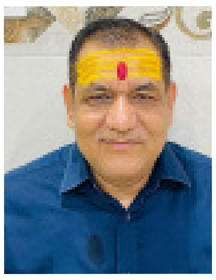

● पटना, बुधवार, 03 अप्रैल 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 05, अंक: 32

Lakshya Raj Public School
LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

फेक न्यूज से निपटने के लिए लॉन्च हुआ

मिथक बनाम वास्तविकता रजिस्टर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के दौरान फेक न्यूज से निपटने के लिए मंगलवार को 'मिथक बनाम वास्तविकता रजिस्टर' लॉन्च किया। इस पहल का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को गलत सूचना से बचाना और मतदाताओं को सटीक जानकारी देने के लिए चुनाव आयोग के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ निर्वाचन सदन, नई दिल्ली में लॉन्च किया गया। 'मिथक बनाम वास्तविकता रजिस्टर' चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध है।

'मिथक बनाम वास्तविकता रजिस्टर' चुनाव के दौरान प्रसारित मिथकों और झूठ को दूर करने के लिए तथ्यात्मक जानकारी के एक व्यापक भंडार के रूप में कार्य करता है। इसे

उपयोगकर्ता के अनुकूल डिज़ाइन किया गया है। यह ईवीएम, वीवीपीएटी, मतदाता सूची, मतदाता सेवाओं, चुनावों के संचालन आदि को लेकर मिथकों और गलत सूचनाओं के क्षेत्रों को कवर करता है। यह रजिस्टर पहले से ही उजागर चुनाव संबंधी फर्जी जानकारी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाले संभावित मिथक, महत्वपूर्ण विषयों पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न की सटीक जानकारी उपलब्ध कराता है।

बालाघाट : मारे गए नक्सलियों के पास से मिले बीजीएल सेल, एके-47 और 12 बोर के राइफल

मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सली, सर्चिंग अभियान जारी

बीएनएम@भोपाल

प्रदेश के बालाघाट जिले में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों से सोमवार रात हुई मुठभेड़ में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुठभेड़ में दो इनामी नक्सलियों को पुलिस ने ढेर किया है। साथ ही उनके पास से बीजीएल सेल, एके-47 और 12 बोर की राइफल भी बरामद की गई। आईजी इंटेलिजेंस डॉ. आशीष ने यह खुलासा किया है। आईजी ने कहा कि 20 से 25 नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी। बालाघाट के जंगलों में सर्चिंग अभियान अब भी जारी है।

आईजी ने बताया कि मध्यप्रदेश में पहली बार नक्सलियों के पास से बीजीएल सेल बरामद किए गए हैं। (बीजीएल) ग्रेनेड लांचर के कारतूस पहली बार जब्त किया गया है। नक्सलियों से बरामद हथियारों की जांच होगी कि इतने हाईटेक हथियार उनके पास कहां से आए? यह हथियार अब तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के पास मिल चुके हैं। मारे गए नक्सलियों के पास से 1 एके-47 और 12 बोर के राइफल भी बरामद की गई है। मुठभेड़ में ढेर महिला नक्सली पर 43 लाख रुपये का इनाम था।

मारी गई महिला नक्सली कान्हा भोरमदेव डिवीजन के विस्तार प्लाटून 2 की डिवीजनल कमेटी के सदस्य थी। दूसरा नक्सली मलाजखंड एरिया कमेटी का सदस्य था। मुठभेड़ में ढेर दोनों नक्सली मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में कई नक्सली वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि लांजी थाना क्षेत्र के पितकोना जंगल में यह मुठभेड़ हुई है। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस और हॉक फोर्स को दी बधाई है। मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि जवानों की मुस्तैदी से पुलिस की अलग साख बनी है। इन जवानों पर मध्यप्रदेश सरकार को गर्व है। उन्होंने कहा हम नक्सलाइट मूवमेंट को कभी भी पनपने नहीं देंगे।

अभिनेता आयुष्मान खुराना को चुनाव आयोग ने बनाया यूथ आइकन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को केंद्रीय चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए यूथ आइकन नियुक्त किया है। खुराना अब देश के युवाओं सहित सभी से वोट डालने की अपील कर रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में युवाओं को वोट देने के लिए अपील करने और जागरूक करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने आयुष्मान खुराना को चुना गया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मंगलवार को अभिनेता आयुष्मान खुराना का एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में यूथ आइकन आयुष्मान खुराना लोगों से वोट करने की अपील करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में आयुष्मान वोट न देने के कई कारणों पर भी चर्चा करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में खुराना कहते हैं कि लोग सोचते हैं कि अगर एक वोट नहीं देंगे तो क्या होगा। "वोट न देने के 101 कारण हैं, लेकिन केवल एक ही कारण वोट देने के लिए पर्याप्त है और वह है हमारी जिम्मेदारी, देश के प्रति और हमारे भविष्य के प्रति। आयुष्मान ने कहा कि सभी को अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए।

बयान | जबलपुर प्रवास पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले

पीएम मोदी ने परिवारवाद की राजनीति को खत्म किया: नड्डा

बलपुर। जबलपुर प्रवास पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रबुद्धजनों के सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्य के कारण आज विश्व में देश का नाम रोशन हुआ है। देश में जातिवाद खत्म हुआ है और विकासवाद बढ़ा है। हम डिवाइड नहीं डवलपमेंट की राजनीति करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में परिवारवाद की राजनीति को खत्म किया है। हमारी राजनीति सबको साथ लेकर चलने की है सबका साथ सबका विकास।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे जड़ मूल से उसको खत्म कर देंगे परंतु यह आईएनडीआई अलायंस भ्रष्टाचारियों को बचाने वालों का जमावड़ा बन चुका है। यह अलायंस परिवार

को बचाने का प्रयास कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि जेपी नड्डा इस समय मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। वह मंगलवार को जबलपुर पहुंचे एवं मानस भवन के मंच पर प्रबुद्धजनों के सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मंत्री राकेश सिंह,आशीष दुबे, कविता पाटीदार, सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू मंच पर उपस्थित थे। नड्डा शहडोल से लौटकर रात्रि विश्राम जबलपुर में ही करेंगे एवं कल उज्जैन के लिए रवाना होंगे जहां महाकाल मंदिर में दर्शन करेंगे।

गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से लड़ेंगे चुनाव

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। आजाद ने 2022 में कांग्रेस छोड़कर पार्टी के साथ अपने पांच दशक लंबे जुड़ाव को समाप्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) बनाई। डीपीएपी नेता ताज मोहिउद्दीन ने संवाददाताओं से कहा कि मंगलवार को डीपीएपी की कोर कमेटी की बैठक हुई और हमने फैसला किया है कि पार्टी अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि 2014 में उधमपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा नेता जितेंद्र सिंह से हारने के बाद आजाद के लिए यह पहला लोकसभा चुनाव होगा। अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना पर मोहिउद्दीन ने कहा कि इस मोर्चे पर कोई प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे पास समय की कमी है और बातचीत में ज्यादा प्रगति नहीं हुई है। इसलिए यह बेहतर है कि वे अपना काम करें और हम अपना काम करें। मोहिउद्दीन ने कहा कि कश्मीर में अन्य लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का फैसला उचित समय पर किया जाएगा।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए अजय निषाद

बीएनएम@पटना

लोकसभा चुनाव से पहले बिहार में नेताओं के दल बदलने का सिलसिला जारी है। इस क्रम में मंगलवार को मुजफ्फरपुर से भाजपा सांसद अजय निषाद ने भारतीय जनता पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है।

बताया जा रहा है अजय निषाद ने यह फैसला लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के कारण लिया है। इससे नाराज अजय निषाद ने इस्तीफा देने का ऐलान करने के साथ ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह से

मुलाकात की और कांग्रेस में शामिल हो गए। उनके इस्तीफे के बाद माना जा रहा है कि अजय निषाद मुजफ्फरपुर से कांग्रेस उम्मीदवार होंगे। अजय निषाद ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को संबोधित करते हुए एक्स पर लिखा है कि छल किये जाने से क्षुब्ध होकर मैं पार्टी के सभी पदों के साथ प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा देता हूं।

उल्लेखनीय है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मुजफ्फरपुर से सीटिंग सांसद अजय निषाद का टिकट काट दिया है। बीजेपी ने इस पार मल्लाह जाति से ही आने वाले नए चेहरे राजभूषण को अपना उम्मीदवार बनाया है।

कुंडवा चैनपुर स्टेशन पर यात्री और स्टेशन मास्टर के बीच हाथापाई

मोतिहारी। जिले के रक्सौल-सीतामढी रेलखंड पर स्थित कुंडवा चैनपुर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर और ट्रेन में सवार यात्री के बीच नोकझोक करते एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दावा किया जा रहा है की ट्रेन नंबर 05526 करीब 15 मिनट से स्टेशन पर खड़ी थी। इसी बीच एक यात्री स्टेशन मास्टर जितेंद्र कुमार से पूछा की ट्रेन कब खुलेगी। इसी बात को लेकर जितेंद्र कुमार ने ट्रेन में चढ़कर यात्री के साथ दुर्व्यवहार करने लगे।

भागलपुर में कांग्रेस उम्मीदवार बने अजीत

बीएनएम@पटना। आईएनडीआईए गठबंधन से भागलपुर लोकसभा के लिए कांग्रेस पार्टी के अजीत शर्मा उम्मीदवार होंगे। अजीत शर्मा वर्तमान में भागलपुर से कांग्रेस विधायक हैं।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बिहार में तीन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भागलपुर से अजीत शर्मा, कटिहार से तारीक अनवर और किशनगंज से मोहम्मद जावेद को टिकट मिला है। विशेषकर भागलपुर लोकसभा सीट को लेकर काफी दिनों से ऊहापोह की स्थिति बनी हुई थी। इसके बाद कांग्रेस ने भागलपुर से अजीत शर्मा को टिकट दिया। टिकट मिलते ही अजीत शर्मा के आवास पर महा गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने पटाखा फोड़ खुशी जाहिर किया।

नगर विधायक सह कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा ने टिकट मिलने के बाद कहा कि भागलपुर सीट पर कोई संशय नहीं था। टिकट को लेकर जनता की आवाज लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने सुनी। इसके बाद विश्वास जताते हुए कांग्रेस ने भागलपुर लोकसभा से हमें टिकट दिया है। अजीत शर्मा ने कहा कि भागलपुर का विकास बांकी है। जीतने के बाद भागलपुर में विकास की गंगा बहेगी।

जदयू ने चुनावी प्रचार-प्रसार के लिए पार्टी के थीम सान्ग का लोकार्पण एवं एलईडी प्रचार रथ को किया रवाना

पटना। 18वीं लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार के लिए जदयू ने पार्टी के थीम सॉन्ग का लोकार्पण एवं एलईडी प्रचार रथ को विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में मंगलवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस प्रचार रथ के मध्यम से राज्य के गांव-कस्बों, गली-मोहल्लों में नीतीश सरकार की उपलब्धियों और जन हितैषी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा।

नवादा के डीएम –एसपी हटाए जाने से चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों में भूचाल

पटना। नवादा के डीएम आशुतोष कुमार वर्मा तथा एसपी अम्बरीष राहुल को चुनाव आयोग ने तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। जिस कारण चुनाव कार्य में लगे नवादा के अन्य अधिकारियों में भूचाल सी मच गई है ।आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव से 2 अप्रैल 2024 के 3:00 बजे अपराह्न तक तीन-तीन अधिकारियों की पैनल भेजे जाने के निर्देश दिए हैं।

नवादा डीएम के रूप में आशुतोष कुमार वर्मा की पदस्थापना 19 जुलाई 2023 को की गई थी। वहीं एसपी अम्बरीष राहुल को बिहार सरकार ने 31 दिसंबर 2022 को नवादा एसपी के रूप में पदस्थापित किया था। इन दोनों अधिकारियों पर कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं तथा पत्रकारों ने भी इनके कार्यकलाप पर आपत्ति जताई थी।

आयोग में शिकायत भी भेजे गए थे ।जिस कारण आयोग ने दोनों को चुनाव कार्य से हटा दिया है। बिहार के मुख्य सचिव को भेजे गए अपने निर्देश में चुनाव आयोग ने कहा है कि इन दोनों अधिकारियों को किसी भी तरह के चुनाव कार्य में नहीं लगाया जाए ।अब देखना है कि बिहार सरकार नवादा डीएम- एसपी के रूप में कि अधिकारियों के नाम का पैनल चुनाव आयोग को भेजती है।

संजय सिंह को छह महीने बाद सिर्फ जमानत मिल, दोषमुक्त नहीं हुए: सुशील मोदी

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि दिल्ली सरकार की शराब नीति, भ्रष्टाचार और धन-शोधन मामले में गिरफ्तार सांसद संजय सिंह को छह महीने बाद सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ जमानत दी है, उन्हें दोषमुक्त नहीं किया है। इस पर राजनीतिक बयानबाजी करने से सत्य नहीं बदल जाएगा।

सुशील मोदी ने मंगलवार को यहां कहा कि संजय सिंह की जमानत से ज्यादा उत्साहित होकर विपक्ष इस रुटीन न्यायिक प्रक्रिया को सत्य की जीत की तरह प्रचारित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि चारा घोटाला में लालू प्रसाद को भी कई बार जमानत मिली लेकिन अन्ततः उस चर्चित घोटाला के चार मामलों में उन्हें सजा हुई । लालू प्रसाद सजायाफ्ता होने के कारण मुखिया का भी चुनाव नहीं लड़ सकते।

राजनीति | सांसद पप्पू सिंह ने घोषणा कर दिया था कि मैं पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ूंगा

पूर्व सांसद से मिलने पहुंचे पप्पू यादव व बीमा भारती

बीएनएम@पूर्णिया

पूर्णिया के पूर्व सांसद उदय सिंह और पप्पू सिंह ने जब से पूर्णिया लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया तब से लोगों के बीच तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे है। किसी ने कहा कि उनके नहीं लड़ने से पप्पू यादव की हार हो जाएगी तो किसी ने कहा कि उनके नहीं लड़ने से एनडीए गठबंधन के संतोष कुशवाहा की जीत हो जाएगी। कई लोगों का कहना था कि पप्पू सिंह ने पूर्णिया के भविष्य लिए एक बेहतरीन निर्णय लिया है।

कल ही यानि बीते सोमवार को सांसद पप्पू सिंह ने घोषणा कर दिया था कि मैं पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ूंगा और जनसुरज को आगे बढ़ाऊंगा । उन्होंने कांग्रेस और राजद तथा एनडीए को भी कोसते हुए

कहा था कि पूर्णिया के लोगों की भलाई के लिए एक अच्छे लोगों को टिकट देना चाहिए था लेकिन किसी पार्टी ने ऐसा नहीं किया।

परंतु इसके ठीक उलट इस बयान के बावजूद आज लगभग 11:00 बजे पूर्व सांसद तथा कांग्रेस नेता पप्पू यादव थाना चौक स्थित पप्पू सिंह के आवास पर उनसे मिलने पहुंच गए। उन्होंने पप्पू सिंह से मुलाकात की और अपने लिए आशीर्वाद मांगा। यह मुलाकात लगभग आधे घंटे तक चली। मुलाकात के बाद बाहर निकलते पप्पू यादव ने कहा कि यह एक व्यवहारिक मुलाकात थी ।पप्पू सिंह हमारे लिए बड़े भाई हैं। 1:00 दोपहर के लगभग राजद नेता तथा महागठबंधन की उम्मीदवार बीमा भारती भी उदय सिंह और पप्पू सिंह के घर पर मिलने पहुंची। बीमा भारती ने कहा कि मेरे अभिभावक समान हैं अपने अभिभावक का आशीर्वाद लेने आई हूं।

40 सीटों पर विजय प्राप्त करेगी एनडीए: भीष्म साहनी

बगहा। वाल्मीकिनगर लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी सह निवर्तमान सांसद सुनील कुमार ने नामांकन करने से पहले बगहा एक स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में मंगलवार को अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए एनडीए की बैठक की । बैठक में कार्यकर्ताओं से रूबरू होने के बाद सुनील कुमार ने कहा कि उन पर पार्टी नेतृत्व ने दोबारा विश्वास जताया है जिस पर वह खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि आज बेहद खुशी हो रही है कि हम अपनी चुनावी अभियान का शुभारंभ गांधी के कर्मभूमि से करने जा रहे हैं।

बैठक में मौजूद भाजपा विधायक राम सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी के लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हो रही है। इस बार का चुनाव 400 के पार होगा। प्रदेश में 40 में से 40 सीट एनडीए के खाते में जायेगी ।पिछले लोकसभा चुनाव में ग जितने वोट से जीत हुई थी, उससे भी ज्यादा मतों से सुनील कुमार को अबकी बार जीत दिलाना है। इसकी तैयारी में सभी कार्यकर्ता लग जाय। बैठक में जदयू एमएलसी सह जिला अध्यक्ष भीष्म साहनी, वाल्मीकि नगर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, पूर्व सांसद कैलाश बैठा, पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह सहित सैकड़ो एनडीए के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बैक में पैसा जमा कराने आयी महिला को कागज का बंडल थमा ठगो ने उड़ाये 50 हजार रूपये

मोतिहारी। जिले के सुगौली स्टेशन रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक में पैसा जमा करने आयी एक महिला से पच्चास हजार रुपये की ठगी कर ली गई। मिली जानकारी के अनुसार नगर पंचायत के वार्ड नंबर 17 की निवासी उर्मिला देवी मंगलवार को 50 हजार रुपये पीएनबी में जमा करने गई थी। महिला जैसे हीं बैंक में पहुंची दो ठग ने उसे बातचीत में फंसा कर उसे दो लाख का बंडल देने की बात कही। जिसके बाद महिला ने ठग के बंडल को अपने हाथो में रख लिया। इसी बीच ठग उसका पचास हजार रुपया लेकर रफूचक्कर हो गए। काफी देर तक नही आने पर जब महिला ने बंडल को खोल कर देखा तो वह कागज का बंडल निकला। जिसके बाद वह चीखने-चिल्लाने लगी।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

दो बस्तियों में बनेगा सड़क

बीएनएम@केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया पंचायत अंतर्गत दो अनुसूचित जाति बस्तियों में सड़क बनाने को लेकर आदेश दिया गया है। उक्त आदेश जिला लोकशिकायत निवारण पदाधिकारी ने कमरुल इस्लाम के परिवाद की सुनवाई के दौरान दी है। बताया जाता है कि ताजपुर पटखौलिया पंचायत के वार्ड संख्या नौ में एससी बस्ती है।

इस बस्ती में करीब सवा दो सौ लोग रहते हैं। वहीं इसी पंचायत के वार्ड 11 में भी एक ऐसी हीं बस्ती बसी है। जिसमें भी घनी आबादी है। इन दोनों बस्ती में आने-जाने के लिए रास्ता नहीं है। निजी जमीन होकर लोगों को आना-जाना पड़ता है। इस समस्या को लेकर रामपुर कोडर के कमरुल इस्लाम ने लोक शिकायत प्राधिकार में परिवाद दायर किया था।

इसकी सुनवाई में प्राधिकार ने ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल चकिया के कार्यपालक अभियंता को उक्त दोनों बस्ती में प्राथमिकता के आधार पर सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण कराने को आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि इन दोनों बस्तियों के लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई होती है। विगत कई वर्षों से इस बस्ती के लोग सड़क की समस्या से जूझ रहे हैं।

जंगल की आग से निपटने के लिए वन विभाग ने कसी कमर

फायर वाचरों को साजो सामान के साथ बीहड़ जंगल में भेजा

बीएनएम@बगहा

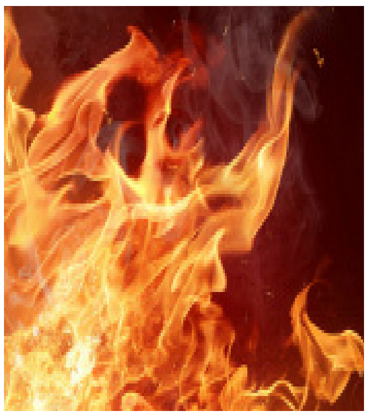

वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर और गोनौली रेंज में 15,15 की संख्या में तीन वन परिसर के जंगलों में खाद्य सामग्री के साथ साथ पूरे साजो सामान के साथ फायर वाचरों को वन विभाग ने भेजा है। ताकि जंगल मे लगे आग पर काबू पाया जा सके। बतादें की इन फायर वाचरों को 15 फरवरी से अलर्ट मोड पर रखा गया है। गोनौली सह वाल्मीकिनगर के प्रभारी रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि गोनौली में 15 और वाल्मीकिनगर में 15 कुल 30 फायर वाचरों को अलग अलग वन क्षेत्रों में लगाया गया है।वहीं वन क्षेत्र जटाशंकर,कोतराहां और भेड़ियारी वन परिसर में 15 फायर वाचरों को तैनात किया गया है। ये फायर वाचर 24 घंटे लगातार कार्य सेवा देकर जंगल की आग से जंगलों की सुरक्षा करेंगे।

इसके लिए विभाग ने इन्हें खाद्य सामग्री चना,चूड़ा, गुड़,गुलकोन डी,मिनरल वाटर,ओ आरएस आदि देकर जंगलों की सुरक्षा के लिए तैनात किया है। बतातें चलें कि हर वर्ष जंगल मे आग लगने के कारण लाखों रुपये की वनसंपदा का नुकसान होता रहा है। जिसके रोकथाम के लिए वन विभाग ने पहल करते हुए फायर वाचरों को तैनात कर दिया है।ताकि समय रहते जंगल की आग पर काबू पाया जा सके।

समाचार भेजें

किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें–
9471060219

ई-मेल भेजें

bordernewsmirror
@gmail.com

संभावित बाढ़, सुखाड़ से बचाव हेतु करें तैयारियां : DM

बेतिया। संभावित बाढ़, सुखाड़ से बचाव हेतु पूर्व तैयारी के साथ ही हीट वेब, अगलगी की घटनाओं की रोकथाम के निमित जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक सम्पन्न हुयी।

अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन, पश्चिम चम्पारण द्वारा संभावित बाढ़ से निपटने हेतु की गयी तैयारियों से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि नेपाल में बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में वर्षापात, गंडक नदी में वाल्मीकिनगर बराज से काफी अधिक मात्रा में वाटर डिस्चार्ज, बादल की शिफ्टिंग, जल प्रवाह का मार्ग अवरूद्ध होने के कारण जिले में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में वर्षा मापक यंत्र अधिष्ठापित है और पूरी तरह क्रियाशील है। वर्षा मापक यंत्र की

मरम्मति एवं अन्य कार्यों की देखभाल जिला सांख्यिकी कार्यालय द्वारा नियमित रूप से की जा रही है।

उन्होंने बताया कि आपदा से निपटने हेतु जिलास्तर पर आपातकालीन संचालन केन्द्र एवं नियंत्रण कक्ष कार्यरत है। इसका दूरभाष संख्या-06254-247002, फैक्स संख्या-06254-247003 एवं ई-मेल आईडी disastermgmtbettiah@gmail.com, deoc-bettiah@gov.in है।

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने निर्देश दिया कि संभावित बाढ़, सुखाड़ से बचाव हेतु की जाने वाली सभी तैयारियां ससमय पूर्ण करा ली जाय। इसके साथ ही हीट वेब, अगलगी की घटनाओं की रोकथाम को लेकर एहतियातन सभी प्रकार की कार्रवाई सुनिश्चित की जाय।

उन्होंने निर्देश दिया कि संभावित बाढ़, सुखाड़, हीट वेब, अगलगी से निपटने हेतु निर्धारित एसओपी सभी संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दिया जाय। सभी अंचलाधिकारी प्रारंभिक तैयारी सुनिश्चित करेंगे। नाव, नाविकों के नाम एवं मोबाईल नंबर सहित अधिकारियों के नाम एवं मोबाईल नंबर आदि को संकलित कर संबंधित पदाधिकारियों को उपलब्ध कराया जाय ताकि आपदा की स्थिति में समन्वय स्थापित कर त्वरित गति से कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत तटबंधों की निगरानी कराएंगे।

उन्होंने निर्देश दिया कि हीट वेब एवं अगलगी की घटनाओं से बचाव हेतु क्या करें-क्या नहीं करें, का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाय ताकि आमजन सजग एवं सतर्क रहेंगे। अग्निशमन पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन अपने-अपने संसाधनों एवं मानव बल को चुस्त-दुरूस्त रखेंगे तथा आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

निवर्तमान सांसद डां संजय जायसवाल का रामगढ़वा में अजय झा के नेतृत्व में होगा स्वागत

बीएनएम@रामगढ़वा

पश्चिम चम्पारण के निवर्तमान भाजपा सांसद डां संजय जायसवाल को इस क्षेत्र से फिर से उम्मीदवारी को लेकर सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 21 अप्रैल को सुखी सेमरा मे आयोजित होगा। यह कार्यक्रम रामगढ़वा के जैतापुर मे पूर्व मुखिया प्रत्याशी सह भाजपा नेता अजय झा के नेतृत्व में आयोजित होगा। अजय झा नें आज इसकी जानकारी देते हुए बताया कि निवर्तमान सांसद डां संजय जायसवाल की जीत सुनिश्चित करने के लिए भी उक्त अवसर पर अभियान की इनके नेतृत्व मे शुरुआत की जाएगी। बताया कि डां संजय जायसवाल सांसद रहते हुए पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र के विकास मे महत्वपूर्ण कार्य किया है और इस क्षेत्र की आवाज के साथ ही राष्ट्रहित के मुद्दे को भी सदन मे मुखर रूप से उठाया है। इसके लिए सांसद

धन्यवाद के पात्र हैं। इन्होंने उक्त कार्यक्रम मे स्थानीय लोगों की अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया है। और कहा कि सुगौली विधानसभा क्षेत्र मे इनके नेतृत्व मे सघन जन सम्पर्क अभियान भी चलाया जाएगा।बताया कि राष्ट्रहित व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को और सबल बनाने हेतु इनके द्वारा स्वतः स्फूर्त यह आयोजन प्रस्तावित है।

कौड़ी वसूली में धांधली व प्रशासनिक आदेशों के उल्लंघन पर मीना बाजार में वसूली की बंदोबस्ती रद्द करने का आदेश

आवंटित क्षेत्र का अतिक्रमण और आदेश की अनदेखी को लेकर नगर निगम की महापौर ने दुकानदारों की शिकायत पर की कार्रवाई

बेतिया। मीना बाजार मौजा के लिए कौड़ी वसूली के लिए बंदोबस्ती की आड़ में स्मीपवर्ती अन्य क्षेत्र में वसूली पर नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने धांधली व प्रशासनिक आदेशों के उलंघन पर मीना बाजार में वसूली की बंदोबस्ती रद्द करने का आदेश नगर आयुक्त शंभू कुमार को दिया है। मंगलवार को जारी अपने संबंधित पत्र में महापौर श्रीमती सिकारिया ने नगर आयुक्त को लिखा है कि आप अवगत हैं कि मात्र मीना बाजार मौजा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष संवेदक 2024- 25 के लिए केवल अस्थाई दुकानदारों और ठेला खोमचा वालों से प्रति दुकानदार दस रुपए मात्र के दर से राशि वसूलने के लिए की गई है। परंतु, मात्र एक ही सैरात की बंदोबस्ती लेने की आड़ में संवेदक द्वारा छोटा रमना मार्केट, आलोक भारती पुल से ख़ादिम चौक होते हुए सोवा बाबू चौक तक, शीतला माई स्थान और अवंतिका चौक से खुदाबक्स चौक तक भाया सोवा बाबू चौक एवं होटल स्वराज एवं जीएमसीएच रोड के सभी दुकानदारों से संवेदक द्वारा बल पूर्वक कौड़ी या पैसे की उगाही की जा रही है। श्रीमती सिकारिया ने यह भी लिखा है कि आप यह भी अवगत है कि आवंटित क्षेत्र से बाहर किसी भी प्रकार की वसूली दंडनीय अपराध है। इसके साथ उन्होंने यह भी स्मारित किया है कि आवंटित क्षेत्र के दस मुख्य स्थानों पर निर्धारित कौड़ी दर का बोर्ड लगाने के बाद ही वसूली करने और कौड़ी दर 10 रुपया प्रिंटेड हुआ रसीद नगर निगम से सत्यापित कराने के बाद ही रसीद को वसूली के लिए जारी करने जैसे अनिवार्य निर्देशों का उलंघन संवेदक के द्वारा किया जा रहा है। अतः स्थिति की गंभीरता और गरीब दुकानदारों के शोषण को लेकर आदेश है कि बंदोबस्ती पाने के लिए संवेदक द्वारा जमा की गई राशि को वापस करते हुए तत्काल प्रभाव से मीना बाजार मौजा क्षेत्र की कौड़ी वसूली बंदोबस्ती को रद्द करने की कार्रवाई अचूक रूप से की जाय। महापौर ने कड़ा रुख अपनाते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि इस आदेश का अनुपालन तत्काल सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्देशित कार्रवाई में विलंब के कारण किसी भी असहज स्थिति के साथ गरीब दुकानदारों अवैध शोषण और उगाही जारी रहने की स्थिति या किसी भी प्रकार के विवाद के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।इस पत्र के साथ जीएमसीएच रोड के दुकानदार के लिए जारी रसीद संलग्न करते हुए इस पत्र की प्रति जिलाधिकारी के साथ विभागीय प्रधान सचिव को भी प्रेषित किया है।

जीविका दीदियों ने निकाली जागरूकता रैली

मोतिहारी। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अवसर पर जिला के सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें इसको लेकर जिला के ग्रामीण क्षेत्र, टोले, मोहल्ले में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जीविका, आईसीडीएस और शिक्षा विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मतदाता जागरूकता की कड़ी में आज जीविका दीदियों के द्वारा जगह-जगह जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें राम लखन जीविका महिला संकुल तेतरिया, लवकुश जीविका महिला संकुल महूआहा तेतरिया की भूमिका महत्वपूर्ण रही।इसके अतिरिक्त तुरकौलिया प्रखंड की जीविका दीदी के द्वारा जागरूकता शपथ दिलाई गई। राम जीविका महिला संकुल संग्रामपुर, जीविका संगठन घोड़ासहन, पचरोखा, सुगौली एवं बंजरिया में भी रैली एवं शपथ दिलाने का कार्य किया गया। आईसीडीएस के तत्वाधान में आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका के द्वारा सीडीपीओ की देखरेख में रक्सौल, बनकटवा, मधुबन, ढाका, चिरैया, बंजरिया एवं अन्य प्रखंडों में रंगोली, मतदाता शपथ, रैली एवं पदयात्रा निकाली गई और लोगों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भय मुक्त होकर बिना किसी के प्रलोभन में आए लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखते हुए 25 मई को मतदान की तिथि पर अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने के लिए जागरूक किया गया।

डीएम एसपी के औचक निरीक्षण में गायब पुलिस कर्मियों का वेतन बंद करते हुए मांगा स्पष्टीकरण

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र के द्वारा आज संयुक्त रूप से समाहरणालय परिसर के बगल में स्थित ईवीएम -वीवीपैट वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मी एवं पुलिस बल की पहचान कराई गई जिसमें तीन पुलिस कांस्टेबल नंदन मंडल कांस्टेबल नंबर 822, रंजीत कुमार कांस्टेबल नंबर 1725 एवं बंटी कांस्टेबल नंबर 983 अनुपस्थित पाए गए। इनके द्वारा न तो वरीय पदाधिकारी को सूचना दी गई थी और ना ही अवकाश स्वीकृत कराया गया था। इसको निर्वाचन कार्य में घोर लापरवाही मानते हुए तीनों कांस्टेबल का तत्काल प्रभाव से वेतन बंद कर दिया गया एवं स्पष्टीकरण करते हुए निलंबन की कार्रवाई प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया।

लाइन डीएसपी चितरंजन ठाकुर के द्वारा जिला स्कूल में पंचायती राज विभाग के रखे गए ईवीएम एवं उसकी सुरक्षा में लगाए गए पुलिस बल की उपस्थिति की जांच की गई। यहां अजय यादव कांस्टेबल नंबर 456 भी अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। इनका भी वेतन बंद करने एवं स्पष्टीकरण के साथ निलंबन के कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि निर्वाचन कार्य को सभी कर्मी/पदाधिकारी गंभीरता से लें। किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शातिर अपराधी हथियार समेत गिरफ्तार

मोतिहारी। जिला पुलिस टीम ने उत्पाद कांड सहित अन्य कई कांड मे वांछित दो अपराधियों को हथियार समेत गिरफ्तार किया है इसकी जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि पीपराकोठी थाना में दर्ज मामले के वांछित अभियुक्त को पीपराकोठी थानाक्षेत्र में देखे जाने की प्राप्त गुप्त सूचना पर एएसपी सदर 2 जीतेश पांडेय के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कारवाई करते हुए पीपराकोठी थाना क्षेत्र से पीपरा थाना क्षेत्र के संतोष सहनी व पीपराकोठी थाना क्षेत्र के बिधान सहनी को गिरफ्तार किया है इनके पास से एक देशी पिस्टल,दो जिंदा कारतूस एक बाइक व एक पत्ता नींद की गोली बरामद किया गया है। उन्होने बताया कि गिरफ्तार संतोष सहनी के विरुद्ध जिले के पीपरा,आदापुर व पीपरा कोठी थाने में आर्म्स एक्ट,डकैती,लूट व उत्पाद कांड के कुल 10 मामले दर्ज है,जबकि बुधन सहनी के विरुद्ध पीपराकोठी थाना मे उत्पाद कांड के दो मामले दर्ज है।

35 सौ लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, ट्रैक समेत ड्राइवर क्लीनर गिरफ्तार

बगहा। बगहा पुलिस जिले के धनहा थाना क्षेत्र की पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है।पुलिस ने धनहा गौतम बुद्ध सेतु चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान उत्तर प्रदेश की ओर आ रही एक डीसीएम ट्रक से तकरीबन 35 सौ लीटर विदेशी शराब को बरामद किया है।

साथ ही पुलिस ने ट्रक चालक और क्लीनर को गिरफ्तार किया है।इस संदर्भ में धनहा थानाध्यक्ष धर्मवीर भारती ने बताया कि शराब तथा उसके करोबारियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में मंगलवार की सुबह गौतम बुद्ध सेतु चेक पोस्ट पर एक डीसीएम ट्रक से 35 सौ लीटर के करीब शराब की बड़ी खेप को बरामद किया गया है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के साथ गिरफ्तार ट्रक चालक और क्लीनर की पहचान गौनाहा थाना क्षेत्र के ग्राम मठ मंझरिया निवासी भीम मांझी और राजकेश्वर कुमार के रूप में हुई है जिनपर मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Wednesday 03 April 2024

जाकी रही भावना जैसी...

हम सब इस मृत्यु लोक में जीवन यापन कर रहे हैं । यहां हर दिन कुछ न कुछ नया होता रहता है । हर मनुष्य की सोच भी अलग तरीके से काम करती है । कोई सकारात्मक सोच का पुजारी होता है तो कोई नकारात्मकता की दुनिया में उलझा रहता है । मानवीय व्यवहार को बड़ी गंभीरता के साथ परखते हुए ही संभवत गोस्वामी तुलसीदास जी ने बहुत पहले ही लिख दिया था: - " जाकी रही भावना जैसी , प्रभु मूरत देखी तिन तैसी ।" आज इसी विषय पर विचार करने बैठा तो बड़े अच्छे - अच्छे प्रसंग मन में उठने लगे । सोचा आज इसी पर अपने पाठकों के साथ उलझन दूर करने का प्रयास करुं । एक किस्सा याद आ गया , जिसे मैंने अपने अध्यापकीय कार्य के दौरान एक कार्यशाला में सुनाने का अवसर पाया था । उस कहानी में सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव केवल अर्धविराम के चलते सामने आया । एक उसी कहानी पर चर्चा कर पाठकों को ठहाका लगाने का अवसर देना चाहता हूं । एक बार एक कवि महोदय हलवाई की दुकान पर पहुंचे । उन्होंने दही - जलेबी ली और उसका लुत्फ उठाने वहीं बैठक जमा दी । इतने में एक कौआ कहीं से आया और दही की परात पर चोंच मारकर उड़ गया । हलवाई को इस पर बड़ा क्रोध आया और उसने एक पत्थर उठाकर कौए पर दे मारा । कौए की भी किस्मत खराब थी । पत्थर उसे लगा और उसके प्राण - पखेरु उड़ गए । कौए की मौत के साथ ही दही - जलेबी खा रहे कवि का कविमन जाग उठा । उन्होंने वहीं से एक कोयले का टुकड़ा उठाया और अपनी भावनाएं कौए की मौत पर लिख डाली । इस तरह तीन अलग - अलग व्यथाओं ने पंक्ति को अपनी सोच के अनुसार शब्दों में परिवर्तन कर ढाल दिया । मेरे कहने का तात्पर्य केवल इतना है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने विचारों और संस्कारों के अनुरुप ही शिक्षा पाता है और प्रगति की राह तय करता है । चूंकि मैं स्वयं एक शिक्षक रहा हूं , तो एक कक्षा के वातावरण से वाकिफ हूं । मान लिया जाए एक कक्षा में कुल 40 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं । शिक्षकों का वही दल उस कक्षा सहित दूसरी कक्षाओं को भी पढ़ा रहा होता है । विद्यार्थियों में से कोई अच्छा पढ़कर आई ए एस , आई पी एस बन जाता है , तो कोई चपरासी का काम करता दिखाई पड़ता है।

राजनीति में बदल रहे नैतिकता के मायने

सुरेश हिन्दुस्तानी

भारतीय राजनीति में ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जो आज भी नैतिकता के आदर्श हैं। लेकिन आज की राजनीति को देखकर ऐसा लगने लगा है कि नैतिकता की राजनीति दूसरा तो अवश्य करें, पर ज़ब स्वयं को नैतिकता की कसौटी पर परखने की बारी आए तब नैतिकता के मायनों को बदल दिया जाता है। भारतीय राजनीति में राजनेताओं पर आरोप लगने पर कई लोगों ने अपने पद को त्याग दिया था, दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रुप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। यह एक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति के लिए शोभनीय नहीं हैं। केजरीवाल स्वयं कहते थे कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आए हैं, लेकिन अब जब उन पर ही सवाल उठ रहे हैं, तब उनसे भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की आशा करना बेमानी ही कही जाएगी। यहाँ सवाल यह भी उठ रहा है कि दिल्ली के शराब घोटाले में अभी तक जिन पर आरोप लग रहे हैं, उनको जमानत लेने का पर्याप्त आधार नहीं मिल रहा, इसका आशय यह भी है कि सरकार की ओर से कोई न कोई गलत आचरण किया गया होगा, अन्यथा एक मुख्यमंत्री को ऐसे ही गिरफ्तार नहीं किया जाता। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भी यही कहा जा रहा है, उसके पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के संकेत पर पैसों का लेनदेन हुआ। दिल्ली में शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस प्रकार से प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है, उस पर विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष पर कई प्रकार के सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन इन सवालों की परिधि में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उस पर विपक्ष कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि दाल में कुछ काला अवश्य है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह साफ तौर पर संकेत दिया है कि केजरीवाल शराब घोटाले का मुख्य आरोपी है। अब यह जांच के बाद ही पता चलेगा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लगाए जा रहे आरोप किस हद तक सही हैं या फिर केजरीवाल अपने आपको निर्दोष साबित कर पाते हैं या नहीं। अगर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से लगाए गए आरोपी प्रमाणित होते हैं तो यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवैधानिक पद के प्रभाव का दुरुपयोग किया है।हम यह भली भांति जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उपज हैं। उस समय अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको ऐसा प्रचारित किया कि एक वे ही भारतीय राजनीति के उच्चतम आदर्श हैं। लेकिन उनके आचरण पर स्वयं अण्णा हजारे ने सवाल उठाए थे, हालांकि अण्णा हजारे के सवालों को केजरीवाल ने दरकिनार कर दिया। इसका तात्पर्य यही है कि अन्ना हजारे राजनीति में जिस प्रकार का पारदर्शी व्यवहार चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दे रहा था। अब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी समाजसेवी अण्णा हजारे की ओर से साफ सुथरी टिप्पणी आई है, जिसमें अण्णा हजारे ने शराब पर नीति बनाने से रोका था। अण्णा हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का परिणाम बताया। आज दिल्ली का शराब घोटाला यही चरितार्थ करते हुए लग रहा है कि शराब किसी भी संस्था या व्यक्ति को बर्बाद कर देती है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं)

Today's Opinion

इंडिया की लोकतंत्र बचाओ महारैली के बेसुरे स्वर

ललित गर्ग

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं। लोकतंत्र बचाओ रैली से उपजे विचारों ने किन्हीं पवित्र उद्देश्यों के बजाय सत्ता हासिल करने की लालसा को ही उजागर किया, यह निराश करने वाली रैली किसी बड़े बदलाव की वाहक बनती हुई नजर नहीं आयी। इस रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा और संविधान भी। यह समझना कठिन है कि कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करता है तो उससे लोकतंत्र और संविधान कैसे खत्म हो जाएगा। आम जनता के मतों से जीत हासिल करने वाला दल किस तरह से लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला हो सकता है। विपक्षी एकता का यह महाकुंभ मोदी को कोसने की बजाय किन्हीं ठोस मुद्दों के सहारे कोई प्रभावशाली विमर्श खड़ा करने की कोशिश करता तो वह आम जनता को आकर्षित करता और यही स्वस्थ राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक होता। लेकिन ऐसा न होना समूचे देश के विपक्षी दलों की नाकामी, उद्देश्यहीनता एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का द्योतक हैं। इस रैली में अनेक मुद्दे उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे-खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडिया गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे मज़बूत खम्भे पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे कांग्रेस समेटे रखना चाहती है, यही उसकी विवशता है। वैसे, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी इस रैली दिखी। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है। जबकि इस रैली का मकसद आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया। यहां आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच के अन्तर्विरोध को सहज ही समझा जा सकता है। यह रैली भले ही अठाइस दलों का जमावड़ा बनी, इसे विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रदर्शन भी कहा गया है। लेकिन जबसे इंडिया गठबंधन बना है, तब से उसमें टूट एवं बिखराव के स्वर सुनाई दे रहे हैं। विचारभेद के साथ मनभेद भी सामने आये हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें भी आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, लेकिन संदेश स्पष्ट था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मोदी विरोध एवं भाजपा को सत्ता से दूर करने के मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं और लगातार बोलते भी रहे हैं, फिर उसके लिये इस महारैली की क्या जरुरत? निश्चित ही एकजुटता के ये स्वर बेसूरे, असहज एवं बनावटी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

समीक्षा: टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज करता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंतायें और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबके फिरें ... .

अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्ट पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

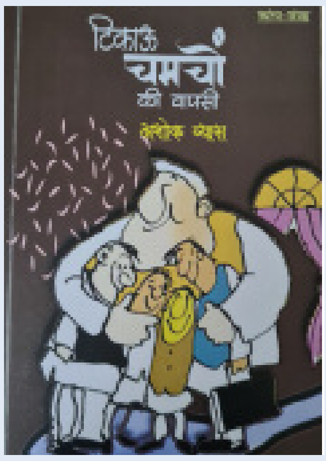

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़िये आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

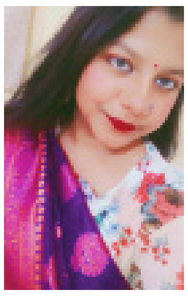

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़िशा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीवन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते - संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

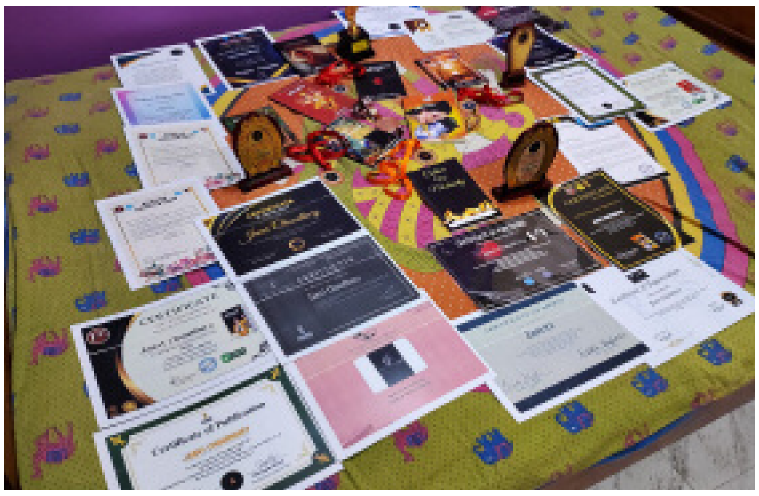

वह बिस्वास करती है, जो पहले लिखना पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीवन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुड़ी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़िंदगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories- The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिस्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

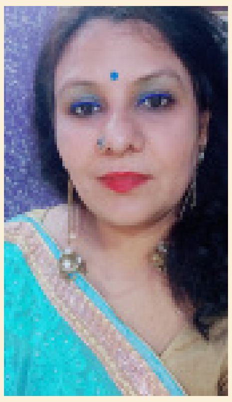

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

पेट दर्द से लेकर माइग्रेन के दर्द तक, ये हैं हींग के कमाल

भारतीय खानों में हींग का उपयोग खूब किया जाता है। इसका स्वाद ज़रा तेज़ ज़रूर होता है, लेकिन इसके फायदे अनगिनत हैं। खाने में इसे मिलाने से पाचन आसान होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हींग पाचन दुरुस्त करने के अलावा भी कई काम करता है। यह पेट में गैस से लेकर गंभीर माइग्रेन और यहां तक कि कीड़े के काटने का भी इलाज कर देता है।

बच्चों में गैस की समस्या का समाधान करता है

शिशुओं में गैस की समस्या को कम करने के लिए इससे अच्छा उपाय और कोई नहीं है। इस जांचे और परखे उपाय को सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक से दो चम्मच गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग डालें और फिर बच्चे की नाभी के आसपास उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे छोटे बच्चों में गैस की समस्या तुरंत ठीक हो जाती है।

सांस से जुड़ी तकलीफों के इलाज के लिए

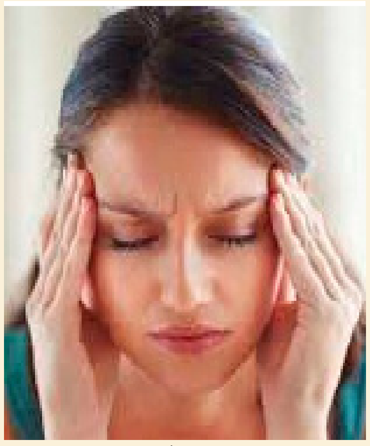

हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण होते हैं। इसलिए इसका उपयोग अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, सूखी खांसी और जुकाम को ठीक करने के लिए किया जा सकता है। तुरंत आराम पाने के लिए आधा चमच हींग पाउडर और सोंठ में दो चम्मच शहद मिला लें। दो से तीन दिन तक इस मिक्सचर को खाएं, तो आपको सांस की तकलीफों से जल्द आराम मिल जाएगा।

दांत दर्द में तुरंत आराम

जिस दांत में दर्द है, वहां और आसपास के मसूड़ों पर चुटकी भर हींग लगा लें। दर्द में राहत पाने के लिए दिन में इस उपाय को 2 से 3 बार करें।

कान दर्द में फायदेमंद

सर्दी के मौसम में ठंड लग जाने से कान में दर्द कई बार हो जाता है। ऐसे में इयर ड्रोप्स के अलावा आप घरेलू उपचार पर कर सकते हैं। हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण पाए जाते हैं, जो कान के दर्द में आराम देने का काम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो चम्मच नारियल के तेल में चुटकी भर हींग डालकर हल्की आंच पर गर्म कर लें। जब ये गुनगुना हो तब इसकी कुछ बूंदें अपने कान में डालें। इससे आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सिर दर्द में आराम

सिर दर्द जब परेशान कर रहा हो, तो आप हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए

हल्की आंच पर पैन रखें और उसमें एक से दो कप पानी गर्म कर लें। अब इसमें चुटकी भर हींग डालें और 10-15 मिनट के लिए गर्म होने दें। जब पानी की मात्रा थोड़ी कम हो जाए, तो गैस को बंद कर दें।

तेज़ सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दिनभर इस पानी को पिएं। इसके अलावा आप हींग में गुलाब जल मिलाकर इसका पेस्ट भी तैयार कर सकते हैं और फिर इसे माथे पर लगा सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

कीड़े या सांप के काटने पर

हींग सिर्फ खाने में ही हेल्दी नहीं होती, बल्कि कीड़ों या फिर सांप के काटने का भी इलाज कर सकती है। दादी मां के निस्खों के अनुसार, हींग के पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को जखम पर लगा लें और सूखने दें। जब सूख जाए, तो निकाल दें।

चाय की लत आपको बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे चाय पीना पसंद न हो। चाय देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी पसंद किया जाने वाला पेय पदार्थ है। चाय की इसी लोकप्रियता के चलते दुनियाभर में कई प्रकार की चाय प्रचलित है। हमारा मूड रीफ्रेश करने के साथ ही चाय हमारी सेहत को कई तरह के फायदे भी पहुंचाती है। वहीं, सर्दियों के मौसम में तो लोग भारी मात्रा में इसका सेवन करना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की लत कई बार आपके लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है।

दरअसल, ज्यादा मात्रा में चाय पीने से आप हड्डियों की खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकती है। स्केलेटल फ्लोरोसिस नामक यह बीमारी आपकी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना सकती है। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज जानेंगे इसके अधिक सेवन से होने वाली इस बीमारी के बारे में-

क्या है स्केलेटल फ्लोरोसिस

स्केलेटल फ्लोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जो अंदर ही अंदर हमारी हड्डियों को खोखला कर देती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को गठिया यानी अर्थराइटिस जैसा दर्द महसूस होता है। ये बीमारी खासतौर पर हड्डियों में दर्द पैदा करती है। इस बीमारी के होने पर कमर दर्द,हाथ-पैरों में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है।

चाय से हो सकता है स्केलेटल फ्लोरोसिस

अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या दिन में लगातार चाय का सेवन कर रहे हैं, तो इससे स्केलेटल फ्लोरोसिस का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, चाय में मौजूद फ्लोराइड मिनरल हड्डियों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। ऐसे में शरीर के अंदर फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में स्केलेटल फ्लोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही चाय शरीर को कैल्शियम सोखने से भी रोकता है, जिसकी वजह से इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण

पेट भारी रहना
घुटनों के आसपास सूजन
झुकने या बैठने में परेशानी
दांतों में अत्यधिक पीलापन
कंधे, हाथ और पैर के जोड़ों में दर्द
कम उम्र में बुढ़ापे का लक्षण नजर आना
हाथ-पैर का आगे या पीछे की ओर मुड़ जाना
पांव का बाहर या अंदर की ओर धनुषाकार हो जाना

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित

चाय के अधिक सेवन से सिर्फ स्केलेटल फ्लोरोसिस ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय पीने से अल्सर, हाइपर एसिडिटी, घबराहट, मलती जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप सीमित मात्रा में चाय का सेवन करें। दिन में तीन कप चाय का सेवन सेहत के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन अगर आप रोजाना तीन कप से ज्यादा चाय पी रहे हैं, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

थायराइड बढ़ने पर शरीर में हो सकती हैं ये 5 परेशानियां

गले में पाई जाने वाली थायराइड ग्रंथि सामान्य कार्य करना बंद कर देती है, तब थायराइड की समस्या आती है। थायराइड होने से शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। थायराइड हार्मोन शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाने में मददगार है।

कई बार थायराइड होने पर ये बढ़ता रहता है। ऐसे में शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। सही लाइफस्टाइल, संतुलित आहार और दवाइयों के सेवन से थायराइड को ठीक होने में मदद मिलती हैं। थायराइड बढ़ने पर ये 5 तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

इनफर्टिलिटी

थायराइड की समस्या होने इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। कई बार महिलाओं में थायराइड होने पर ओवरीज में सस्टि बन जाता है। जिसकी वजह से इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। महिलाओं में अगर समय पर थायराइड का इलाज न किया जाएं, तो इनफर्टिलिटी की समस्या ज्यादा बढ़ सकती हैं।

स्किन डिसऑर्डर

शरीर में थायराइड की ग्रंथि बढ़ने पर स्किन डिसऑर्डर जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार थायराइड बढ़ने पर स्किन पर पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती हैं। थायराइड रहने से स्किन पर रूखेपन की समस्या भी ज्यादा देखने को मिल सकती है।

अनियमित पीरियड्स

थायराइड बढ़ने पर कई बार अनियमित पीरियड्स की समस्या भी बढ़ सकती है। कई बार पीरियड्स का फ्लो ज्यादा या धीमा भी हो सकता हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए थायराइड को कंट्रोल करने की कोशिश करें। पीरियड्स की डेट आगे-पीछे भी हो सकती हैं।

वजन बढ़ना

थायराइड की समस्या बढ़ने पर वजन बढ़ने की परेशानी भी हो सकती हैं। ऐसे में सही मात्रा में डाइट और दवाइयों के सेवन से थायराइड को कंट्रोल किया जा सकता है। थायराइड का स्तर बढ़ने से भूख काफी बढ़ जाती है। जिससे वजन बढ़ता है।

कमजोरी लगना

थायराइड की परेशानी बढ़ने पर शरीर में कमजोरी हो सकती है। कई बार पैरों से सुन्न हो जाने की समस्या भी देखने को मिल सकती है। कई बार थायराइड बढ़ जाने पर शरीर में दर्द और ऐंठन का अनुभव भी हो सकता है।

थायराइड की समस्या होने पर ऊपर बताई गई परेशानियां हो सकती हैं। अगर आपको भी ये बीमारी हैं, तो डॉक्टर से पूछ कर ही दवाइयों का सेवन करें।

BNM Fantasy

Wednesday
03 April 2024

नॉन वीकेंड पर सुस्त हुई 'क्रू'

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की तिगड़ी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। राजेश ए कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म क्रू 29 मार्च को सिनेमाघरों में लैंड की थी। रिलीज के चार दिन में ही इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला है। लोगों को क्रू की कहानी और सितारों का अभिनय दोनों ही चीजें काफी पसंद आ रही है। यही वजह है कि यह मूवी डबल डिजिट में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। सिर्फ इंडिया में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोग फिल्म के दीवाने हो गए हैं। अब इस मूवी के चौथे दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। चलिए जानते हैं फिल्म ने रिलीज के बाद पहले सोमवार को कितना बिजनेस कर लिया है।

स

सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ

प्रियंका चोपड़ा के घर खुशियां आने वाली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस लॉस एंजिलस से परिवार समेत भारत आई थीं। अब उनके इस विजिट के पीछे की वजह सामने आ गई है। एक्ट्रेस के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा जल्द शादी के बंधन में बंधने वाली हैं, इससे पहले उनकी रोका सेरेमनी हुई है। जहां पूरा चोपड़ा परिवार जश्न मनाता नजर आया। प्रियंका चोपड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक करने से अक्सर बचती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने फैंस के साथ ये खुशी शेयर की है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर भाई और होने वाली भाभी को बधाई दी है। प्रियंका चोपड़ा के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ है। दोनों एक-दूसरे को लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। सोशल मीडिया पर नीलम अक्सर सिद्धार्थ के साथ अपनी कोजी फोटो भी शेयर करती थी। रोका सेरेमनी की भी उन्होंने फोटो शेयर की है। सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय ने 2 अप्रैल को परिवार और दोस्तों के बीच रोका सेरेमनी की। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और होने वाली भाभी नीलम उपाध्याय की फोटो शेयर की है। साथ ही रोका सेरेमनी की बधाई भी दी। इसके अलावा एक फोटो उन्होंने कपल के साथ अपनी और निक जोनस की भी शेयर की है। नीलम उपाध्याय ने अपने सोशल मीडिया पर पेज पर रोका सेरेमनी का कई फोटो पोस्ट की है। इनमें उनका परिवार साथ देखा जा सकता है। नीलम उपाध्याय भी प्रियंका चोपड़ा की तरह एक्टिंग की दुनिया से ताल्लुक रखती हैं।

दिव्यांका की 'अदृश्यम' समेत ये सीरीज होंगी रिलीज

धमाकेदार होगा अप्रैल का महीना

आने वाला अप्रैल का महीना वेब सीरीज लवर्स के लिए बेहद खास होने वाला है। अप्रैल में एक या दो नहीं, बल्कि कई धमाकेदार सीरीज दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं। इसमें लूट सीजन 2 से लेकर दिव्यांका त्रिपाठी की अदृश्यम तक शामिल है। चलिए देखते हैं अप्रैल में आने वाली सीरीज की लिस्ट। इस सीरीज को इंग्लिश भाषा में नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है। इसमें पेप गार्डियोला, एर्लिंग हालैंड समेत कई सितारे दिखाई देने वाले हैं। लूट सीजन 2 शानदार अंदाज में बुधवार 3 अप्रैल 2024 को एप्पल टीवी पर लौट रहा है। इस सीरीज में माया रूडोल्फ, एडम स्कॉट और जोएल किम बूस्टर समेत कई स्टार कलाकार दिखाई देने वाले हैं। 'ये मेरी फैमिली सीजन 3' आने वाली 4 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इसमें जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल और अंगद समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं। इस सीरीज को मंदार कुरुंदकर ने डायरेक्ट किया है। यह सीरीज 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। छोटे पर्दे की एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी की वेब सीरीज 'अदृश्यम' सोनी लिव पर 11 अप्रैल को रिलीज होने के लिए तैयार है। इस सीरीज में 65 एपिसोड होने वाले हैं। दिव्यांका के साथ इसमें बिग बॉस के कंटेस्टेंट रह चुके एजाज खान भी दिखाई देने वाले हैं। बता दें कि वेब शो अदृश्यम का निर्देशन सचिन पांडे ने किया है। आयशा मैडन स्टारर हार्टब्रेक हाई हन्ना कैरोल चैपमैन द्वारा नेटफ्लिक्स के लिए बनाई गई ऑस्ट्रेलियाई कॉमेडी ड्रामा टेलीविजन सीरीज है। इसका दूसरा सीजन 11 अप्रैल को आएगा। क्रिस ओ'डॉड स्टारर यह सीरीज एप्पल टीवी पर 24 अप्रैल को आने वाली है। फैंस भी इस सीरीज का इंतजार कर रहे हैं।